सुविचार

सफलता हाथों की लकीरों में नहीं, बल्कि माथे की पसीनों में मिलती है।

सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-3 • 26 AUGUST TO 01 SEPTEMBER 2021 • VOLUME-6 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges & *Pay Money after the visa

•IELTS •STUDY ABROAD

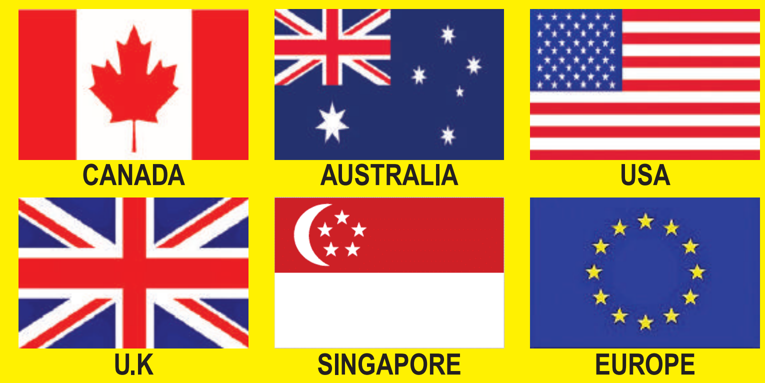

E-mail : ankush@innovativetechin.com • hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

*T&C apply

दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के चुनाव में शिअद की जीत

46 में से 27 उम्मीद्वारों ने हासिल की जीत

नई दिल्ली. दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चुनाव में जीत हासिल करने के बाद शिरोमणी अकाली दल नेताओं के हौसले बुलंद हैं। अकाली दल के प्रत्याशियों ने 46 में से 27 सीटों पर जीत हासिल की और अब इन नतीजों के बाद अकाली दल उम्मीद कर रहा है कि इसका फायदा उनको अगले साल की शुरुआत में होने वाले पंजाब चुनावों में भी मिलेगा। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चुनाव में अकाली दल के 27 उम्मीदवारों ने जीत हासिल की। हालांकि दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के मौजूदा अध्यक्ष अकाली दल नेता मनजिंदर सिंह सिरसा चुनाव हार गए. लेकिन अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर बादल ने ऐलान किया कि मनजिंदर सिंह सिरसा को नामित सदस्य के तौर पर डीएसजीपीसी में भेजा जाएगा।

इन नतीजों के बाद अकाली दल के नेता अगले साल की शुरुआत में होने वाले पंजाब चुनावों को लेकर भी खासे उत्साहित नजर आ रहे हैं। अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर बादल ने कहा कि

दिल्ली से शुरू हुआ यह तूफान पंजाब के चुनावों में विपक्षी पार्टियों को उड़ाकर ले जाएगा फिर चाहे वह बीजेपी, कंग्रेस या आम आदमी पार्टी समेत कोई भी राजनीतिक दल क्यों ना हो।

कंग्रेस में चल रहे अंतर्कलह पर सुखबीर बादल ने पलटवार करते हुए कहा कि कंग्रेस आगामी चुनावों से पहले ही पूरी तरह खत्म हो जाएगी। क्योंकि अमरिंदर सरकार के मंत्री खुद ही यह मान रहे हैं कि अमरिंदर सिंह ने जनता के लिये कुछ नहीं किया और जनता से जिन वादों को पूरा करने की बात कहकर सत्ता तक पहुंचे थे उन वादों पर भी खरे नहीं उतरे। सुखबीर बादल ने कहा कि वैसे तो यह कंग्रेस की अंदरूनी कलह है लेकिन इससे ये साफ हो गया है कि कंग्रेस में दो धड़े बन चुके हैं 1 नवजोत सिंह सिद्धू के पक्ष में है तो दूसरा कैप्टन अमरिंदर सिंह के पक्ष में। बादल ने कहा कि आने वाले दिनों में यह दोनों धड़े एक दूसरे को खत्म कर देंगे और कंग्रेस पार्टी का भी पंजाब की सत्ता से नामो निशान मिट जाएगा. सुखबीर बादल ने कहा कि कंग्रेस तो खुद ही खत्म हो जाएगी और उसके बाद आम आदमी पार्टी और बीजेपी दोनों में से देखेंगे कि किससे मुकाबला करना है और उनको भी हम आसानी से हरा देंगे। गौरतलब है कि अगले साल की शुरुआत में पंजाब में विधानसभा चुनाव होने हैं लेकिन इन चुनावों में अकाली दल पिछले चुनावों की तरह बीजेपी के साथ मिलकर चुनाव नहीं लड़ेगी।

वहीं कंग्रेस सिद्धू और अमरिंदर सिंह के बीच चल रही अंतर्कलह के चलते कमजोर होती जा रही है। आम आदमी पार्टी इस मौके को देखते हुए अपनी उपस्थिति बढ़ाने की कोशिश में लगी हुई लेकिन दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चुनाव के नतीजों के बाद अब अकाली दल के नेता भी जोश में ताल ठोंक रहे हैं।

भाजपा सांसद हंसराज हंस को कोर्ट से मिली राहत

नई दिल्ली. उत्तर-पश्चिम दिल्ली से बीजेपी सांसद हंसराज हंस को दिल्ली की एक अदालत से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने 2019 के आम चुनाव में नामांकन पत्र के साथ दाखिल अपने हलफनामे में कथित रूप से अस्पष्ट जानकारी देने के मामले में आरोप मुक्त कर दिया है. कोर्ट ने यह पाने के बाद सांसद को राहत दी कि 'उनके खिलाफ कोई प्रथम दृष्टया मामला नहीं बनता है।' दरअसल हंसराज हंस के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले राजेश लिलोठिया ने शिकायत दर्ज कराई थी। लिलोठिया ने दावा किया था कि नामांकन पत्र दाखिल करते समय हंस ने हलफनामे में गलत जानकारी दी और उन्होंने इसमें महत्त्वपूर्ण तथ्यों का खुलासा नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपी ने अपनी शैक्षणिक योग्यता, अपनी पत्नी की वित्तीय स्थिति, अपने आश्रितों की आय और राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग में पद धारण करने के संबंध में सही जानकारी नहीं दी।

सीएम ने जयशंकर को यूके से शहीद उधम सिंह की निजी वस्तुओं की वापसी के लिए लिखा पत्र

चंडीगढ़. मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने केंद्रीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से माँग की है कि यू.के. से महान शहीद उधम सिंह की निजी वस्तुएं जिनमें उनकी पिस्तौल और निजी डायरी शामिल है, वापस लाने के लिए यू.के. की सरकार के साथ बातचीत की जाए।

केंद्रीय मंत्री को लिखे अपने पत्र में मुख्यमंत्री ने उनको यह अपील की है कि यह मुद्दा यू.के. की सरकार के समक्ष उठाया जाए, जिससे आज़ादी की 75वीं वर्षगांठ मना रहा भारत इस शहीद और महान देशभक्त को अपनी श्रद्धाँजलि दे सके। पत्र में मुख्यमंत्री ने आगे लिखा है, 'आपको पता होगा कि इसी पिस्तौल से शहीद उधम सिंह ने जलियांवाला बाग़ में, जहाँ तत्कालीन पंजाब के लैफ्टिनैंट गवर्नर माइकल ओ'डवायर के आदेशों से सैंकड़ों ही निहत्थे और निर्दोष भारतीयों को गोलियों से भून दिया गया था, बिर्टिश हुकूमत द्वारा की गई घिनौनी कार्रवाई का बदला लिया था। यह वही पिस्तौल है जिससे शहीद उधम सिंह ने लंदन के कैक्सटन हॉल में माइकल ओ'डवायर को मारा था।'

मुख्यमंत्री ने आगे कहा, 'यह भी पता लगा है कि शहीद ऊधम सिंह एक निजी डायरी भी रखते थे, जिसको भारत वापस लाया जाना बहुत ज़रूरी है, जिससे देश के लोग इससे प्रेरणा ले सकें।'

पंजाब भाजपा कार्यकर्ताओं ने अफगानिस्तान से 400 लोगों की सुरक्षित वापसी के लिए प्रधानमंत्री का किया धन्यवाद

जालंधर. भारतीय जनता पार्टी, पंजाब की प्रदेश पदाधिकारियों की चली बैठक प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अश्वनी शर्मा के नेतृत्व में सर्कट हाउस, जालंधर में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष के साथ मंच पर संगठन महामंत्री दिनेश कुमार, प्रदेश महासचिव जीवन गुप्ता, डॉ. सुभाष शर्मा, राजेश बागा भी उपस्थित थे। इस मौके पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने पंजाब की जनता को प्रदेश में भाजपा सरकार बनने पर 'नशा-मुक्त पंजाब' देने का संकल्प लिया। अश्वनी शर्मा ने इस अवसर पर

बैठक में कहा कि संगठन तथा पार्टी का कार्यकर्त्ता आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है और प्रदेश की जनता भी भाजपा को सत्ता परिवर्तन के विकल्प के रूप में लाने के लिए तैयार है। क्योंकि पंजाब की जनता कंग्रेस के कुशासन से त्राहि-त्राहि कर रही है और इससे छुटकारा पाना चाहती है। पंजाब की जनता ने बाकि सभी पार्टीयों को अजमा लिया है और इस बार वो बहुमत से अकेले भाजपा को मौका देना चाहेंगें।

अश्वनी शर्मा ने कहा कि पंजाब की जनता तथा भाजपा पंजाब के सभी कार्यकर्त्ता अफगानिस्तान से 400 लोगों की सकुशल भारत वापसी के लिए प्रधानमन्त्री मोदी का धन्यवाद करते हैं।

कैबिनेट मंत्री हरदीप पुरी द्वारा श्री गुरु ग्रन्थ साहिब जी को अपने सर पर उठा कर सम्मान सहित लाने के लिए भी धन्यवाद किया। इस अवसर पर राकेश राठौर, राजेश हनी, राहुल महेश्वरी, प्रवीन बंसल, धनौला जी, अर्चना दत्त, उमेश शाकर, अनिल सरीन, गुरदेव शर्मा देबी, जनार्दन शर्मा, जिला अध्यक्ष सुशील शर्मा आदि उपस्थित थे।

हाई कमान के आगमन से पहले ही किसानी संघर्ष को सुलझाकर मुख्यमंत्री फिर एक बार पटखनी देने में हुए कामयाब

दो धड़े में बंटी कांग्रेस, वर्कर परेशान किस धड़े के पास जाकर अपने मुद्दे सुलझाएं, पंजाब प्रभारी हरीश रावत ने किया एलान- कैप्टन के नेतृत्व में लड़ा जायेगा 2022 का चुनाव

• **जालंधर ब्रीज.** विशेष रिपोर्टर

पूरे भारत में जहां 75वें स्वतंत्रता दिवस के आगमन में आजादी का अमृत महोत्सव हर एक राज्य में मनाया जा रहा है। वहीं पंजाब में कंग्रेस की सरकार पिछले साढ़े चार साल से सत्ता में काबिज होने के बावजूद चुनावों से पहले अपने मंत्रियों और विधायकों को एकजुट रखने में विफल साबित हो रही है।

पिछले एक साल से ज्यादा समय से किसानों ने केंद्र द्वारा बनाए गए कृषि कानून को रद्द करने की मांग उठाई हुई है और केंद्र सरकार के खिलाफ दिल्ली के बॉर्डरों पर धरना लगा कर बैठे हुए हैं। जिस पर पंजाब से कंग्रेस सरकार के सांसद और मंत्री भी कई बार इन बिलों को रद्द करवाने के लिए केंद्र सरकार के खिलाफ आवाज उठा चुके हैं।

बीते शुक्रवार से जालंधर में नेशनल हाईवे और रेलवे ट्रैक पर धरना दे रहे गन्ना किसानों को गन्ने का मूल्य 360 रुपए प्रति क्विंटल देने की मांग सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह ने मंगलवार को मान ली है। किसान संगठनों के बीच चंडीगढ़ में चली करीब एक घंटे मीटिंग में 360 रुपए प्रति क्विंटल भाव दिए जाने के फैसले पर मुहर लगी है। जो हरियाणा की अपेक्षा 2 रुपए अधिक है। इसके बाद किसान संगठनों ने धरना खत्म कर दिया।

परन्तु पिछले कई दिनों से किसानों द्वारा पंजाब सरकार के खिलाफ गन्ने की फसल का सही मूल्य न देने और किसानों

• मीटिंग में सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह, प्रताप सिंह बाजवा, राणा गुरजीत सिंह, संयुक्त किसान मोर्चा के प्रतिनिधियों में बलबीर सिंह राजेवाल, कुलवंत सिंह संधू, हरमीत कादियां, जंगवीर सिंह चौहान, हरिंदर सिंह लक्खोवाल, मुकेश चंद्र, कुलदीप सिंह, बलदेव सिंह सिरसा, बलदेव सिंह दप्पर और बलविंदर सिंह औलख मौजूद रहे।

• बीते शुक्रवार से लेकर जबतक मीटिंग में मांगों को माने जानी की मुहर नहीं लग गई किसान जगह-जगह मोर्चे पर डटे रहे। जैसे ही मीटिंग में गन्ना किसानों की मांग मूल्य 360 रुपए पर सहमति बनी किसानों में खुशी की लहर दौड़ गई और देर रात किसानों ने धरना खत्म कर रेलमार्ग व सड़क मार्ग को खाली कर दिया।

के सरकार के पास पड़े 200 करोड़ रुपए की अदायगी करने की मांग पंजाब सरकार के आगे रखी थी। इस मौके पर एक पुरानी कहावत सही साबित हो रही है... 100 सुनार की और एक लोहार की।

पंजाब के किसानों ने दिखा दिया है कि चाहे सरकार पिछले कई सालों से उनके द्वारा रखी गई मांगों को पूरा नहीं कर रही थी। लेकिन उन्हें भी अपनी मांगों को मनवाने का वक्त मालूम है। किसानों द्वारा बताया गया कि पिछले कई सालों से पंजाब सरकार द्वारा उनके गन्ने की फसल का उचित मूल्य नहीं दिया जा रहा था। वहीं हरियाणा सरकार किसानों को गन्ने की 358 रुपए प्रति क्विंटल मूल्य दे रही है। इसलिए उन्होंने पंजाब सरकार के आगे 400 रुपए प्रति क्विंटल मूल्य देने की मांग रखी हुई थी। कंग्रेस पार्टी के प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू ने किसानों को सही मूल्य देने के लिए अपनी ही पार्टी के खिलाफ आवाज भी उठाई थी। उनके द्वारा ट्वीट करके कहा गया था कि अगर हरियाणा सरकार गन्ने के सही दामों का मूल्य दे सकती है तो पंजाब सरकार क्यों नहीं दे पा रही।

जिक्रयोग्य है कि पंजाब में चुनाव को कुछ ही महीनों का वक्त रह गया है ऐसे में किसानों ने अपनी मांगों को पूरा करवाने के लिए जालंधर में सड़क और रेल मार्ग बंद किए थे और पंजाब सरकार को चेतावनी दी थी कि अगर उनकी मांगे नहीं पूरी की गई तो वह पूरे पंजाब की सड़कें जाम करेंगे। मौके की नजाकत को देखते हुए मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने किसानों की मांगों को मान लिया और गन्ने का मूल्य सीधा 50 रुपए बढ़ाकर 360 रुपए प्रति क्विंटल देने के लिए किसानों और सरकार में सहमति बनी है।

गौरतलब है कि पंजाब में कंग्रेस पार्टी के कुछ मंत्री और विधायक मुख्यमंत्री को बदलने की आवाज उठा रहे हैं। हालांकि प्रदेश प्रभारी हरीश रावत ने यह साफ कर दिया है कि पंजाब में मुख्यमंत्री पद के लिए कोई दूसरा विकल्प नहीं होगा। ऐसे में मुख्यमंत्री द्वारा किसानों के लिए लिया गया यह फैसला अहम माना जा रहा है। अब देखने वाली बात है कि कंग्रेस हाई कमान पंजाब में पार्टी के अंदर चल रही सियासत को कैसे सुलझाएगी। जिससे आगामी चुनावों में फिर से कंग्रेस की सरकार बनाने के लिए एकजुट होकर लड़ा जा सके।

किसानों के मांगे मानने पर कैप्टन अमरिंदर सिंह का धन्यवाद किया

गन्ना किसान संघर्ष कमेटी और संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं ने उनकी समस्या सुलझाने और गन्ने के भाव में वृद्धि का एलान करने पर सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह का धन्यवाद किया। उन्होंने दिल्ली की सरहदों में तीन कृषि कानूनों के विरुद्ध चल रहे संघर्ष में अपनी जान गंवाने वाले पंजाब के किसानों के एक-एक पारिवारिक मेंबर को नौकरी और 5 लाख रुपए का मुआवजे देने के कदम की भी सराहना की। मांगे मानने पर बलबीर सिंह राजेवाल और संयुक्त मोर्चा के प्रतिनिधियों ने सीएम का मुंह मीठा करवाया। जालंधर से देर शाम कई किसान सिंघु और कुंडली बार्डर के लिए ट्रैक्टर-ट्रालियों से रवाना हुए।

सोलो ट्रैवलिंग प्लान कर रहे हैं तो जरूरी है यह सावधानियां

सोलो का हिन्दी अर्थ है एकल या अकेला। आजकल अकेले घूमने का प्रचलन भी बढ़ा है। लड़के ही नहीं लड़कियां भी अकेले ट्रिप पर जाने लगी हैं। अकेले घूमने का मजा भी है और रिस्क भी। यदि आप अकेले ट्रिप प्लान कर रहे हैं तो जानिए कि कैसे करें प्लान और क्या है इसकी जरूरी सावधानियां।

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

- **ड्राई फूड :** आप ड्राई फूड के साथ ही नींबू, शकर, नमक, प्याज, लहसुन व खाने का सोडा भी रखें। बिस्किट, चिप्स, फ्रूट केक भी रख लें। सफर में जरूरी हो तो ही इनका उपयोग करें।
- **कपड़े और अन्य समान :** मौसम के हिसाब से ही कपड़ें रखें। यदि सर्दी वाली जगह पर जा रहे हैं तो गर्म कपड़े रखें। अतिरिक्त मोजे, चप्पल, फेस कवर, ग्लव्स (धूप से बचने के लिए), सनस्क्रीन, सनग्लास एण्ड हैट, स्मार्ट वॉच, रिचार्जेबल टॉर्च, पानी की बोतल आदि भी रख लें। जरूरी हो उतने ही कपड़े और सामान बैग में पैक करें। दो बैग से ज्यादा नहीं होना चाहिए।
- **कैश और डायरी :** अधिकतर बिल आप अपने कार्ड या वॉलेट से ही करें परंतु इमरजेंसी के लिए कैश जरूर रखें। इसके अलावा आईडी प्रूफ की फोटो कापी और एक डायरी रखें जिसमें अपनों के नंबर और यात्रा संबंधी जरूरी इंफार्मेशन हो। जहां घूमने जा रहे हैं उस जगह की पूरी जानकारी आपके पास पहले होना चाहिए। रुकने और घूमने के लिए टिकट का इंतजाम पहले से ही कर लें।

सोलो ट्रैवलर्स सावधानियां :

- समय-समय पर अपनी लोकेशन की जानकारी अपने खास को देते रहें या सोशल मीडिया पर फोटो पोस्ट करते रहें।
- जरूरी हो तो गुगल मैप का सहारा लें और जहां भी घूमने जा रहे हैं उसकी लोकेशन और डिस्टेंस चेक करते रहें।
- अपनी सेहत का विशेष ध्यान रखें। इसके लिए खानपान पर ध्यान दें। तला गला और तेज मसाले वाला भोजन ना करें। नशा करके ना घूमें। पानी भरपूर पिएं।
- लड़की हैं तो आपको होटल का चयन करते वक्त सावधानी बरतना चाहिए। अच्छी और प्रतिष्ठित होटल में ही रुकें। रहने की जगह का फैसला सोच-समझकर ही करें। ऐसी जगह चुनें, जहां सुरक्षा और आरामदायक माहौल हो। इसके लिए थोड़े ज्यादा पैसे भी खर्च करने पड़े तो करें।
- ट्रेन या बस में सावधानी रखें। इसके लिए आपके पास जरूरी नंबर और सुरक्षा के इंतजाम होना चाहिए। सुरक्षा के साथ चलें। रात में घूमने को अवाइड करें। यदि आप लड़की हैं तो अकेले ट्रिप पर है तो किसी ऐसी फैमेली से परिचय करे लें जो आपके साथ ही सफर में बस या ट्रेन में है या होटल में रुके हैं। इससे आपको सपोट मिलेगा।
- जेबकतरों से सावधान रखें। इसके लिए आप अपने मोबाइल, पर्स आदि को सही तरीके से रखें।
- सभी टूरिस्ट स्पॉट्स के देखने के चक्कर में जल्दबाजी न करें। अगर जरूरत पड़े, तो एकाध कम जरूरी जगहों को लिस्ट से बाहर भी कर लें और टूरिस्ट स्पॉट्स देखते वक्त लोगों के यह महसूस ना होने दें कि आप अकेले हैं।
- ट्रिप के लिए तय बजट से कुछ ऊपर ही रुपए कार्ड में रखें, क्योंकि आपातकालीन स्थिति बताकर नहीं आती है।
- अनजान और संदिग्ध लोगों से दूर रहें और उनकी बातों में विश्वास ना करें। अपने दिमाग का उपयोग करें। नए लोगों से मिलें, बात करें पर बहुत जल्दी बहुत ज्यादा घुलने-मिलने से बचें।
- अगर आप लड़की हैं और पहली बार ट्रिप पर अकेली जा रही हैं, तो शुरुआत छोटी ट्रिप से करें और फिर धीरे धीरे लंबे टूर के बारे में सोचें।
- आप प्रयास करें कि अपने डेस्टिनेशन पर सुबह या जल्दी ही पहुंच जाएं या पहले से ही तय कर लें कि कहां पर कब पहुंचना है और कब वहां से निकलना है। पहले ही ही इसके लिए प्लानिंग कर लें।
- पूछताछ ज्यादा करें। जिस होटल में ठहर रहे हैं, उसके मैनेजर से या घूमने-फिरने के लिए ली गई टैक्सी के ड्राइवर से या वहां के लोकल लोगों से आप सभी तरह की जानकारी लें। जानकारी से ट्रिप आसान हो जाती है।
- किसी प्रतिष्ठिन ट्रैवल कंपनी के माध्यम से ही ट्रैवल करें। लुभावने पैकेज से बचें और उस पर अच्छे से विचार करें। ठहरने की होटल पहले से ही बुक कर लें।
- आपका डेस्टिनेशन पहले ही तय होना चाहिए। बीच में प्लान को चैंज कर भी सकते हैं और नहीं भी। किसी के कहने पर आप बीच में से ही कहीं और घूमने ना निकल जाएं। आपको तय समय पर लौट आना चाहिए।
- अपनी कार या बाइक से घूमने जा रहे हैं तो आपको अतिरिक्त सावधानी रखना होगी। आपके पास एक्स्ट्रा ट्यूब और पंचर सुधारने के सामान के साथ ही एक्स्ट्रा पेट्रोल रखना होगा। साथ ही कार या बाइक के कागजात भी रख लें। इसके अलावा कुछ खास सामान जैसे प्लग, पाने पिंचिस, रेजर, पैचकस, कैन, चाकू आदि।

इस ट्रिक्स को अपनाने के बाद आपको बार-बार चार्ज नहीं करना पड़ेगा स्मार्टफोन

अगर आपको अपना मोबाइल बार-बार चार्ज करना पड़ता है तो आप ये आसान ट्रिक्स अपनाकर इस समस्या का हल निकाल सकते हैं। इसके आपको अपनी सेटिंग्स में बदलाव करने होंगे। आइए हम आपको बताते हैं कुछ आसान ट्रिक्स-

- सबसे पहले अपने फोन पर जाएं। फोन में बैटरी का ऑप्शन दिखाई देगा।
- यह ऑप्शन हर स्मार्टफोन में अलग-अलग नाम से हो सकता है।
- जब इस ऑप्शन पर टैप करेंगे तो बैटरी सेवर का ऑप्शन दिखाई देगा।
- बैटरी सेवर के ऑप्शन पर आपको क्लिक करना होगा। क्लिक करने के बाद आपको इस विकल्प को ऑन करने के लिए कहा जाएगा।
- इसे ऑन करने से बैकग्राउंड की ऐप्स बंद हो जाएगी और आपका मोबाइल की बैटरी की खपत कम हो जाएगी।

सैमसंग भारत में 10 सितंबर को पेश करेगी फोल्ड 5जी, फ्लिप3 5जी स्मार्टफोन

शीर्ष प्रौद्योगिकी कंपनी सैमसंग ने सोमवार को कहा कि भारत में उसके अल्ट्रा-प्रीमियम गैलेक्सी जेड फोल्ड3 5जी और गैलेक्सी जेड फ्लिप3 5जी स्मार्टफोन की बिक्री 10 सितंबर से शुरू होगी। इन स्मार्टफोन की कीमत 84999 रुपए से शुरू होगी।

प्रीमियम स्मार्टफोन श्रेणी में एपल की प्रतिद्वंदी कंपनी सैमसंग ने पिछले हफ्ते अपने गैलेक्सी अनपैक्ड कार्यक्रम में दो हाई-एंड फोल्डेबल स्मार्टफोन का अनावरण किया था।

कंपनी ने सोमवार को एक बयान में कहा, भारत में उपभोक्ता गैलेक्सी जेड फोल्ड3 5जी और गैलेक्सी जेड फ्लिप3 5जी को सैमसंग डॉट कॉम और प्रमुख रिटेल स्टोर्स पर 24 अगस्त से 9 सितंबर, 2021 तक बुक कर सकते हैं। बिक्री 10 सितंबर, 2021 से शुरू होगी।

गैलेक्सी फोल्ड3 5जी स्मार्टफोन दो संस्करण- 12 जीबी रैम और 256 जीबी मेमोरी (1,49,999 रुपए) और 12 जीएम रैम और 512 जीबी मेमोरी (1,57,999 रुपए) में उपलब्ध होगा। गैलेक्सी फ्लिप 3 5जी 128 जीबी संस्करण की कीमत 84,999 रुपए होगी, जबकि 256 जीबी मॉडल 88999 रुपए में उपलब्ध होगा।

बारिश में भीगने का शौक है लेकिन रखें सेहत का ख्याल

बारिश का मौसम, हरियाली और रिमझिम फुहारों के बीच किसका दिल नहीं करेगा भीगने का? हर कोई बारिश की इन बूंदों से तरबतर न सही तो कम से कम दो-चार होना तो चाहता ही है। आप भी शौकीन हैं बारिश में भीगने के, तो स्वास्थ्य का भी जरा ध्यान रखें और भीगने के बाद जरूर अपनाएं यह काम का टिप्स...

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

- अगर भीग ही रहे हैं तो कोशिश कीजिए कि आपके बाल ज्यादा न भीगें। क्योंकि यही बीमार होने और सर्दी लग जाने की एक बड़ी वजह होती है। इसके लिए हेयर मास्क या पॉलिथिन का सहारा लिया जा सकता है, ताकि भीगने का लुत्फ भी मिल जाए और बाल भी न भीगें।
- भीगने के बाद घर में आते ही जल्दी से जल्दी कपड़े बदलकर अपने शरीर को पोंछे और सूखे कपड़े पहनकर शरीर को आग के सामने ले जाएं ताकि शरीर को तपन मिल जाए और सर्दी न बैठने पाए।
- अगर गलती से भी बाल भीग गए हैं, तो इन्हें सुखाने में देरी न करें। तौलिये और हेयर ड्रायर की मदद से बालों को अच्छी तरह सुखा लें। इससे बाल खराब होने से बचेंगे और सर्दी भी नहीं लगेगी।
- गर्मागर्म हल्दी वाला दूध या अदरक वाली चाय अथवा कॉपी पीजिए जिससे शरीर को गर्माहट मिले। बुखार और सर्दी से बचने के लिए शरीर को अंदरूनी गर्माहट देना बेहद आवश्यक है।
- आप चाहें तो गर्मागर्म वेलिटेबल या अपना पसंदीदा सूप बनाकर पी सकते हैं। यह प्रतिरोधकता भी बढ़ाएगा और शरीर में गर्मी भी पैदा करेगा। यह बेहतरीन और स्वादिष्ट विकल्प है।

टूथपेस्ट में बने इन लाल, नीले, हरे मार्क क्यों होते हैं? इस वजह से लगाए जाते हैं ये निशान

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

हर रोज टूथपेस्ट से दांत साफ करना आपकी जिंदगी का अहम हिस्सा है। वैसे तो बहुत से लोग सिर्फ कंपनी के नाम से टूथपेस्ट खरीदते हैं और बहुत कम लोग इस पर लिखी जानकारी भी पढ़ते हैं। लेकिन, कभी आपने टूथपेस्ट की ट्यूब के नीचे बने इन लाल, हरे और नीलें रंग के मार्क पर ध्यान दिया है? आपने देखा होगा कि कुछ टूथपेस्ट पर तो यह लाल तो कुछ पर यह नीले रंग का होता है। मगर कभी सोचा है कि आखिर ये होता क्यों है और इस मार्क के पीछे की

वजह क्या है?

कई लोगों को मानना होता है कि ये रंग टूथपेस्ट की क्वालिटी के बारे में बताते हैं, जबकि कुछ लोग इसे इग्नोर कर देते हैं। ऐसे में जानते हैं कि ये मार्क क्यों बने होते हैं और क्या सही में ये मार्क टूथपेस्ट की क्वालिटी के आधार पर बनाए जाते हैं। जानते हैं इन मार्क से जुड़ी हर एक बात...।

क्या कहा जाता है?

इंटरनेट पर कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि इस मार्क के जरिए टूथपेस्ट की क्वालिटी का पता किया जा सकता है। यह एक तरह से टूथपेस्ट की ग्रेड होती है, लाल अच्छा तो हरा कम अच्छा या फिर लाल बेकार तो हरा अच्छा। इन रिपोर्ट्स में कहा गया है कि इस मार्क के रंग से टूथपेस्ट में मिलाए गए तत्वों के बारे में पता चलता है।

किस रंग के लिए क्या है दावा?

अगर रंग के आधार पर देखें तो जिन टूथपेस्ट में ब्लैक मार्क होता है, वो पूरी तरह कैमिकल से बने होते हैं। साथ ही कहा जाता है कि लाल मार्क का मतलब है नैचुरल और कैमिकल से बना टूथपेस्ट, ब्लू कलर के मार्क का मतलब है नैचुरल और मेडिसिन से बना टूथपेस्ट और ग्रीन का मतलब है पूरी तरह से नैचुरल मार्क। कई लोग अब रंग को क्वालिटी चेक का मानक मानने लगे हैं।

क्या है सच्चाई?

लेकिन, इसकी सच्चाई कुछ और ही है। कोलगेट की आधिकारिक वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार, इस मार्क का क्वालिटी से कोई लेना देना नहीं है। इंटरनेट पर जो दावे किए जा रहे हैं, जिसमें कहा जा रहा है कि रंग से कैमिकल या नैचुरल होने का पता चल जाता है। मगर ऐसा नहीं है। दरअसल, यह एक मार्क होता है, जिससे पता चलता है कि यहां से टूथपेस्ट की ट्यूब की कटिंग करनी है और ट्यूब को सील करना है। इसलिए यह ट्यूब बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है और इसका क्वालिटी से कोई मतलब नहीं है।

रंग का कोई लेना- देना नहीं

बता दें कि यह मार्क लगाने से ट्यूब बनाने की फैक्ट्री में लगी मशीनों में काम आसानी हो जाता है और ये मार्क सिर्फ कटिंग पॉइंट के लिए ही होता है। इसका रंग से कोई भी लेना देना नहीं होता है। यह किसी भी रंग का हो सकता है। दरअसल, ट्यूब बनाने वाली मशीन के लाइट सेंसर इस मार्क को पहचान लेते हैं और उसके हिसाब से ट्यूब बनाई जाती है। ऐसे में रंगों के मार्क का क्वालिटी से कनेक्शन नहीं है, बल्कि यह मशीन में ट्यूब बनाने के लिए इस्तेमाल होता है। ऐसे में यह तक तरीके का फैक्ट चेक है और जिसमें पता चलता है कि टूथपेस्ट पर लगे इन मार्क के रंगों को क्वालिटी से कोई कनेक्शन नहीं है, यह सिर्फ पैकिंग के लिए है।

लोन चुका दिया तो बैंक से यह कागज लेना न भूलें, तांकि कोर्ट-कचहरी का ना हो चक्कर

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

भविष्य में आप लोन का बैलेंस ट्रांसफर कराना चाहते हैं तो उसके लिए एनओसी सबसे जरूरी कागजात चाहिए। एनओसी नहीं होने पर लोन का बैलेंस ट्रांसफर नहीं कर सकते। अगर किसी एक बैंक से लोन को दूसरे बैंक में ट्रांसफर करना हो तो उसके लिए एनओसी चाहिए।

आपने लोन लिया और समय पर उसकी ईएमआई ईएमआई भी भरते रहे। एक अच्छे लेनदार के रूप में खुद को साबित करते हुए समय पर लोन का सारा पैसा चुका दिया। मूलधन और ब्याज की पाई-पाई आपने चुका दी। अब सवाल है कि लोन चुकाने के बाद आप क्या सभी जिम्मेदारियों से मुक्त हो गए? सैद्धांतिक तौर पर इसका जवाब हां है। लेकिन जानकारों से पूछें तो वे कुछ और ही कहेंगे।

लोन और बैंकों से कर्ज के लेनदेन के जानकार बताते हैं कि समय पर कर्ज चुकाना अच्छी बात है। लेकिन इससे आप सभी झंझटों से मुक्त नहीं हो जाते। लोन का पैसा चुकाने के बाद ही सबसे बड़ी जिम्मेदारी आती है। यह जिम्मेदारी होती है बैंक से अप्रूवल लेने की। बैंक से लिखकर लेना होता है कि अब किसी तरह का कर्ज बकाया नहीं रह गया। लेनदार अब कर्ज की अदायगी से पूरी तरह मुक्त है। ध्यान रखें कि यह काम मुंहजबानी नहीं होना चाहिए। इसके लिए बैंक को एक सर्टिफिकेट जारी करना होता है। इस सर्टिफिकेट को नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट या एनओसी कहते हैं।

जब हाथ में एनओसी आ जाए तो लेनदार को समझना चाहिए कि वह कर्ज से पूरी तरह मुक्त है। यह सर्टिफिकेट महज एक कागज का टुकड़ा नहीं होता बल्कि पूरा कानूनी दस्तावेज होता है। एनओसी मिलने से आप कानूनन सुरक्षित हो जाते हैं। बैंक की तरफ से बाद में आपके खिलाफ कोई क्लेम नहीं ठोका जाएगा। अगर बैंक कोई फर्जीवाड़ा करता भी है तो आप उस कानूनी दस्तावेज के माध्यम से उसे कोर्ट में घसीट सकते हैं। आइए जानते हैं कि बैंक से एनओसी लेना क्यों जरूरी है।

• ब्लैकमेल से बच जाएंगे

मान लें आपने कर्ज का पूरा पैसा चुकाने के बाद भी एनओसी नहीं लिया। ऐसे में बड़ी मुसीबत खड़ी हो सकती है। बैंक आपसे वह पैसा भी मांग सकता है जो आप पहले चुका दिए हैं। अब चूंकि लोन चुकाने और कर्ज खत्म कर लेने का आपके पास कोई सबूत नहीं है तो आप बैंक के हाथों ब्लैकमेल का शिकार हो सकते हैं। कोर्ट जाने का भी आपके पास कोई आधार नहीं होगा। अतः जितनी तेजी से आपने लोन चुकाया है, उतनी ही तेजी और तत्परता से एनओसी लेने की आदत भी डाल लेनी चाहिए।

• आप मुकदमे में फंस सकते हैं

आप एनओसी नहीं लेंगे तो हो सकता है बैंक आपके खिलाफ कोई मुकदमा कर दे। पहले की किसी छोटी गलती पर आपको कोर्ट में घेरने की तैयारी हो सकती है। इस स्थिति में आप लाचार और असहाय होंगे क्योंकि आपके पास कोई कानूनी आधार नहीं होगा। कोर्ट में आप अपना पक्ष रख सकते हैं और अदालत बैंक को एनओसी देने के लिए कही सकती है। लेकिन जब तक एनओसी मिलेगा, तब तक आपको कई तरह की मानसिक प्रताड़ना से गुजरना पड़ सकता है।

• बट्टे खाते में चला जाएगा क्रेडिट स्कोर

कर्ज चुकाने के बाद आपका दायित्व बनता है कि आप तुरंत सिबिल CIBIL को इत्तला करें। सिबिल को बताएं कि फलां बैंक से लोन चुकाने के बाद एनओसी मिल गया है। अगर एनओसी नहीं लेंगे, सिबिल को नहीं बताएंगे तो उसके रिकॉर्ड में आप डिफॉल्टर घोषित हो सकते हैं जिसका असर क्रेडिट स्कोर पर पड़ेगा। अगली बार लोन लेने में आपको कई परेशानी से गुजरना पड़ सकता है।

• बैलेंस ट्रांसफर कराने में मदद

अगर भविष्य में आप लोन का बैलेंस ट्रांसफर कराना चाहते हैं तो उसके लिए NOC सबसे जरूरी कागजात चाहिए। एनओसी नहीं होने पर लोन का बैलेंस ट्रांसफर नहीं कर सकते। अगर किसी एक बैंक से लोन को दूसरे बैंक में ट्रांसफर करना हो तो उसके लिए एनओसी चाहिए। यह कागज नहीं रहे तो बैंक लोन ट्रांसफर की कार्रवाई शुरू नहीं करेगा।

नॉलेज न्यूज

अब एक ही व्यक्ति को मिल सकता है दो पेंशन का लाभ, जारी हुए नए नियम

दिल्ली. अब परिवार में कोई एक व्यक्ति केंद्र सरकार की दो पेंशन का लाभ ले सकता है। अगर किसी परिवार में दो लोग केंद्रीय कर्मचारी हों तो यह नियम संभव है। अगर किसी बच्चे के माता और पिता दोनों सरकारी कर्मचारी हों तो दो पेंशन का लाभ लिया जा सकता है। इसकी पूरी डिटेल पेंशन और पेंशनर्स वेलफेयर विभाग ने जारी की है। हालांकि दो पेंशन रूल के नियमों में कुछ शर्तें रखी गई हैं जिन्हें पूरा करने के बाद दो-दो पेंशन का लाभ लिया जा सकेगा।

पेंशन विभाग ने कहा है, अगर पति और पत्नी दोनों सरकारी मुलाजिम हैं और इनमें कोई एक नौकरी के दौरान या रिटायरमेंट के बाद मर जाता है, तो फैमिली पेंशन का लाभ दोनों में किसी एक को मिलेगा जो जिंदा हो। पति की मृत्यु हो जाए तो पत्नी को और पत्नी की मृत्यु होने पर पति को फैमिली पेंशन का लाभ मिलेगा। अगर दोनों की मृत्यु हो जाए तो जीवित बच्चे को माता और पिता दोनों की पेंशन का फायदा दिया जाएगा। पेंशन विभाग ने अभी हाल में 'पेंशन से जुड़े 75 मुख्य नियम' नाम से एक सीरीज शुरू की है। इस सीरीज के जरिये उम्रदराज पेंशनभोगियों को जागरूक किया जा रहा है।

क्या कहा पेंशन विभाग ने : एक सवाल ये है कि किसी विधवा या तलाकशुदा बेटी को भी फैमिली पेंशन का लाभ मिलता है जब उसके पति की मृत्यु और पति से तलाक अपने माता-पिता की मृत्यु के बाद हुई हो। इसके जवाब में पेंशन विभाग ने बताया है, फैमिली पेंशन का लाभ किसी विधवा या तलाकशुदा बेटी को तभी मिलेगा जब पति से तलाक माता-पिता की जिंदगी के दौरान हुआ हो। अगर सरकारी कर्मचारी की आश्रित बेटी तलाकशुदा है तो फैमिली पेंशन का लाभ तभी मिलेगा जब तलाक का केस किसी कंपिटेंट कोर्ट में चल रहा हो। यह केस कर्मचारी या पेंशनर की जिंदगी में शुरू होना चाहिए, लेकिन तलाक उनकी मृत्यु के बाद भी मिला हो तो नियम लागू होता है। इस स्थिति में फैमिली पेंशन तलाक के दिन से जोड़ा जाएगा।

बेटी को लेकर क्या है नियम : एक सवाल यह है कि क्या कोई अविवाहित बेटी फैमिली पेंशन के लिए क्लेम कर सकती है, और कर सकती है तो इसकी अवधि क्या रखी गई है। इसके जवाब में पेंशन विभाग ने बताया है, इस स्थिति में फैमिली पेंशन क्लेम करने के लिए कोई अवधि निश्चित नहीं की गई है। अविवाहित बेटी को तब तक फैमिली पेंशन का लाभ मिल सकता है जब तक उसकी शादी न हुई हो। अगर बेटी विधवा हो या तलाकशुदा हो तो दुबारा शादी होने तक फैमिली पेंशन का लाभ मिल सकता है। अगर बेटी अविवाहित है तो जब तक रोजगार नहीं करती है, तो उसे फैमिली पेंशन का लाभ लेने का अधिकार है।

दिव्यांग बच्चों के लिए रूल : एक नियम और भी महत्वपूर्ण है। जिन मृत सरकारी कर्मचारी या पेंशनर के बच्चे दिव्यांग हैं, उनके लिए सरकार फैमिली पेंशन को लेकर बड़ा फैसला कर सकती है। इसके बारे में विचार चल रहा है। इन बच्चों की भलाई और पालन-पोषण को देखते हुए फैमिली पेंशन की राशि बढ़ाई जा सकती है। सरकार को इसके लिए नियमों में कुछ बदलाव करने होंगे। इस बदलाव की भी तैयारी चल रही है। किसी सरकारी कर्मचारी या पेंशनर की मृत्यु के बाद उसके दिव्यांग बच्चों को सीसीएस (पेंशन) रूल्स 1972 के तहत फैमिली पेंशन का लाभ दिया जाए, इसके लिए नियमों में बदलाव का निर्देश दिया गया है। इसके लिए आर्थिक मानदंडों में बदलाव किया जा सकता है।

सावधान : बिना ट्रांजेक्शन आया ओटीपी आपको लगा सकता है चूना

दिल्ली. समय के साथ ऑनलाइन फ्रॉड का भी तरीका बदलता जा रहा है। पहले साइबर ठग लोगों को फोन करके बहला-फुसलाकर या धमकाकर बैंक अकाउंट की जानकारी मांगते थे। ऐसे फ्रॉड को रोकने के लिए ओटीपी आधारित ट्रांजेक्शन की शुरुआत हुई लेकिन अब इसमें भी सेंध लग गई है।

आमतौर पर जब आपके पास बिना ट्रांजेक्शन ओटीपी आता है तो आप उस पर ध्यान नहीं देते हैं। लोग इसे बैंक की गलती मानकर नजरअंदाज कर देते हैं लेकिन यह नजरअंदाज आपको भारी नुकसान भी पहुंचा सकता है। ऑनलाइन बैंकिंग की बढ़ती सुविधाओं और डिजिटल बैंकिंग के इस दौर में साइबर चोर भी हाईटेक हो गए हैं।

साइबर चोरों ने लोगों को चूना लगाने का अब नया तरीका निकाला है जिसमें बिना ट्रांजेक्शन ही लोगों के पास ओटीपी पहुंच रहा है। इस तरह के फ्रॉड से बचने के लिए आपको क्या करना चाहिए सबसे पहली बात यह समझने वाली है कि जब तक कोई ट्रांजेक्शन नहीं करते हैं तब तक आपके फोन नंबर पर ओटीपी नहीं आएगा और यदि बिना ट्रांजेक्शन ओटीपी आता है तो आपको सतर्क हो जाना चाहिए। यदि ऐसा होता है तो इसका मतलब है कि साइबर ठग के पास आपके बैंक की बहुत सारी जानकारी पहले से मौजूद है। ऐसी ठगी से बचने का पहला तरीका यह है कि आप समय-समय पर अपने बैंक को अपने मोबाइल नंबर आदि की जानकारी देते रहे हैं। यदि आपका मोबाइल नंबर बदल गया है तो बैंक को इसकी जानकारी तुरंत दें। इसके अलावा सप्ताह में कम-से-कम एक बार अपने क्रेडिट कार्ड अकाउंट की डिटेल चेक करें। यदि आपके फोन नंबर पर या ई-मेल आईडी पर किसी प्रकार का कोई संदिग्ध लिंक आता है तो उस पर क्लिक करने की गलती ना करें और यदि गलती से क्लिक हो गया है तो किसी ऑनलाइन फॉर्म को ना भरें। इस तरीके के फिसिंग अटैक नाम दिया गया है। इसके जरिए लोगों से उनकी निजी जानकारी जैसे मोबाइल नंबर, ई-मेल आईडी, इंटरनेट बैंकिंग आईडी जैसी जानकारी हासिल की जाती है।

इंटरनेट बैंकिंग या किसी भी तरह के फाइनेंशियल अकाउंट के लिए जटिल पासवर्ड का इस्तेमाल करें और समय-समय पर पासवर्ड बदलते भी रहें, ताकि यदि किसी को इसकी जानकारी हो भी जाए तो भी आप सुरक्षित रहें। पासवर्ड में बर्थडे, शादी की तारीख, मोबाइल नंबर या गाड़ी के नंबर का इस्तेमाल ना करें यदि सभी सावधानी बरतने के बाद भी आपके साथ फ्रॉड हो गया तो इसकी जानकारी तुरंत साइबर पुलिस को, स्थानीय पुलिस को और बैंक को दें। आप जितना जल्दी शिकायत करेंगे आपके पैसे के उतने ही वापस आने की संभावना रहती है। इसके अलावा अपने फोन में पेड एंटी वायरस का इस्तेमाल करें। फ्री वाले एंटी वायरस सुरक्षा के लिहाज से सही नहीं होते हैं।

भारत छोड़ने के लिए विमान के लैंडिंग गियर में छिपे थे दो भाई

40000 फीट की ऊंचाई और -60 डिग्री ठंड वाले उस 'काले सफर' की कहानी

• **जालंधर ब्रीज.** रिपोर्टर

अफगानिस्तान के लोग तालिबान की गोलियों से बचने के लिए विमान की छत और लैंडिंग गियर्स पर भी सवार होकर देश छोड़ने के लिए तैयार हैं। देश छोड़ने की इसी अफरा-तफरी में कई अफगानी, टेकऑफ कर चुके अमेरिकी विमान से नीचे गिरकर मारे गए।

फगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद से ही वहां के हालात बेहद खराब हो चुके हैं। तालिबान के अत्याचार से बचने के लिए अफगानिस्तान के लोग किसी भी तरह से अपना देश छोड़कर दूसरे देश जाने के लिए काबुल एयरपोर्ट पर अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। अभी कुछ ही दिन पहले अमेरिकी वायुसेना के विमान में सैकड़ों अफगानी सवार होकर अमेरिका पहुंचे थे। हालांकि, विमान में सवार होने का मौका सिर्फ किस्मत वालों को ही मिला जबकि बाकी लोग विमान में घुसने के सपने ही देखते रह गए। तालिबान के कब्जे के बाद अफगानिस्तान के हालातों का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वहां के लोग जान बचाने के लिए भी जान को ही दांव पर लगा रहे हैं।

देश छोड़ने के लिए किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार अफगानी : अफगानिस्तान के लोग तालिबान की गोलियों से बचने के लिए विमान की छत और लैंडिंग गियर्स पर भी सवार होकर देश छोड़ने के लिए तैयार हैं। देश छोड़ने की इसी अफरा-तफरी में कई अफगानी, टेकऑफ कर चुके अमेरिकी विमान से नीचे गिरकर मारे गए। इस हादसे की वीडियो दुनियाभर में वायरल हुई, जिसे देखने के बाद हर कोई विचलित हो गया। इन दृश्यों ने साल 1996 के उस वाक्ये की याद दिला दी, जब भारत के दो नौजवान देश छोड़कर लंदन जाने के लिए ब्रिटिश एयरवेज के एक विमान के लैंडिंग गियर में छिप गए थे। उसके बाद जो कुछ भी हुआ, वह दिल दहला देने वाला था।

-60 डिग्री के तापमान में 40 हजार फीट की ऊंचाई से गुजरा था विमान

देश छोड़ने के लिए दोनों भाइयों ने जो खौफनाक तरीका अपनाया था, उन्होंने कभी सपने में भी उसके बारे में नहीं सोचा होगा। दरअसल, दोनों भाई जिस फ्लाइट की लैंडिंग गियर्स में छिपे थे, उसे 6500 किलोमीटर की दूरी, 10 घंटे का समय, 40 हजार फीट की ऊंचाई, -60 डिग्री सेल्सियस तापमान, लगभग 1000 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से लंदन पहुंचनी थी। इतना ही नहीं, दोनों भाइयों को इंजन के बेहिसाब से शोर का भी सामना करना था। दिल्ली से रवाना होने के करीब 10 घंटे बाद जब फ्लाइट लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट पर लैंड हुई तो एक कर्मचारी को लैंडिंग गियर में से एक भारी-भरकम चीज गिरी हुई मिली। लैंडिंग गियर से नीचे गिरी चीज के पास जाकर देखा गया तो वह प्रदीप सैनी था जिसकी सांसें चल रही थीं। उसे आनन-फानन में नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

साल 1996 में दिल्ली से लंदन जाने के लिए लैंडिंग गियर में छिपे थे दो भाई : साल 1996 में पंजाब के रहने वाले दो भाइयों ने पुलिस की कार्रवाई से बचने के लिए देश छोड़ने का प्लान बनाया। हालांकि, विदेश जाने के लिए उनके पास न तो पासपोर्ट था और न ही वीजा। लिहाजा, वे सिर्फ गैर-कानूनी तरीके से ही विदेश जा सकते थे। प्रदीप सैनी (23 साल) और विजय सैनी (19 साल) पंजाब से दिल्ली पहुंचे और कई दिनों तक इंदिरा गांधी एयरपोर्ट की रेकी की। एयरपोर्ट में घुसने का रास्ता ढूंढकर दोनों भाई अक्टूबर 1996 में लंदन के हीथ्रो जाने वाली ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट के लैंडिंग गियर में छिप गए। दोनों भाई, अलग-अलग लैंडिंग गियर में छिपे थे। अब दोनों भाई लंदन जाने के लिए पूरी तरह से तैयार थे और उस 'कालकोठरी' में छिपे हुए थे, जहां टेकऑफ के बाद लैंडिंग गियर अंदर की ओर चले जाते हैं।

ठंड की वजह से छोटे भाई की हो गई थी मौत : अस्पताल में भर्ती कराए गए प्रदीप को होश आया तो उसने जब डॉक्टरों को पूरी कहानी सुनाई। प्रदीप की बातें सुनकर डॉक्टरों के पैरों तले जमीन खिसक गई। डॉक्टर ही क्या, किसी भी व्यक्ति को प्रदीप की बातों पर यकीन ही नहीं हो रहा था कि वह लगातार 10 घंटे तक 40 हजार फीट की ऊंचाई पर -60 डिग्री और विमान के भारी-भरकम इंजन का शोर कैसे झेल गया। इसी बीच प्रदीप ने जब अपने छोटे भाई विजय के बारे में पूछा तो उसका कुछ भी मालूम नहीं चला। फिर करीब 5 दिन बाद साउथ-वेस्ट लंदन के रिचमोंड स्थित एक औद्योगिक क्षेत्र में एक शव पाया गया, जिसकी पहचान विजय सैनी के रूप में हुई। मालूम चला कि विजय की मौत असहनीय ठंड की वजह से हुई थी और वह लैंडिंग की तैयारी में एयरपोर्ट के नजदीक पहुंच चुके विमान से 2000 फीट की ऊंचाई से नीचे गिर गया था। जब वह नीचे गिरा था, उस वक्त उसका शव ठंड के मारे जम गया था।

लंदन में ही काम कर रहा है प्रदीप सैनी : हालांकि, प्रदीप गैर-कानूनी तरीके से लंदन में घुसा था तो उसे ब्रिटेन की कानूनी प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। 18 साल तक प्रदीप के खिलाफ मुकदमा चलता रहा और आखिरकार उसे बरी कर दिया गया। इतना ही नहीं, प्रदीप सैनी को ब्रिटेन की नागरिकता भी दी गई और अब वह लंदन में ही अपने परिवार के साथ रह रहा है। प्रदीप सैनी शादी कर चुका है और उसके दो बच्चे भी हैं। प्रदीप सैनी की उम्र अब 44 साल हो चुकी है। प्रदीप कहते हैं कि वह उस दिन के बारे में कुछ भी याद नहीं करना चाहता, क्योंकि उस दिन को याद करके वह उन पलों को याद करने लगता है जिसने उसे सबसे गहरे जख्म दिए हैं।

12 साल से अधिक उम्र के बच्चों को पहले लगाई जाएगी Zycov-D वैक्सीन

सरकारी पैनल प्रमुख से मिली मंजूरी

नई दिल्ली. देश में संभावित कोरोना की तीसरी लहर को लेकर सरकार सजग है। ऐसे में सरकारी सलाहकार समिति राष्ट्रीय प्रतिरक्षण तकनीकी सलाहकार समूह (NTAGI) के अनुसार 12 साल से ज्यादा उम्र के बच्चों को टीकाकरण के लिए प्राथमिकता दी जाएगी। एनटीएजीआई के प्रमुख एनके अरोड़ा ने बताया कि Zydus Cadila के जाइकोब-डी (Zycov-D) वैक्सीन की कुछ आपूर्ति को किशोरों के लिए अलग रखा जाएगा। इसे पिछले सप्ताह आपातकालीन उपयोग प्राधिकरण मिला था। फिलहाल युवाओं को वैक्सीन लगाना प्राथमिकता बनी हुई है।

एनटीएजीआई (NTAGI) ने आगे कहा कि बच्चों के लिए भारत बायोटेक के (कोवैक्सिन) Covaxin को मंजूरी देने की प्रक्रिया सितंबर के अंत या अक्टूबर तक शुरू हो जाएगी। अरोड़ा ने कहा वह सितंबर से हर महीने 10 करोड़ कोवैक्सिन खुराक का अनुमान लगा रहे हैं। वहीं, ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (DCGI) ने Zydus Cadila की तीन-खुराक वाली कोरोना वैक्सीन को 12 साल और उससे अधिक उम्र के बच्चों में आपातकालीन उपयोग के लिए मंजूरी दे दी थी,

जिससे देश में उपयोग के लिए छठी ऑथोराइज्ड वैक्सीन के रूप में लाएगा।

66.6 प्रतिशत एफिशियन्सी रेट : कंपनी ने कहा कि सालाना ZyCoV-D की 100 मिलियन से 120 मिलियन खुराक बनाने की योजना है। वैक्सीन का स्टॉक करना शुरू कर दिया है। अहमदाबाद स्थित जेनेरिक दवा निर्माता, जिसे कैडिला हेल्थकेयर लिमिटेड के रूप में सूचीबद्ध किया गया है, ने एक जुलाई को ZyCoV-D के प्राधिकरण के लिए आवेदन किया, जोकि राष्ट्रव्यापी 28,000 से अधिक स्वयंसेवकों के अंतिम चरण के परीक्षण में 66.6 प्रतिशत की एफिशियन्सी रेट पर आधारित है।

दुनिया की पहली प्लास्मिड DNA वैक्सीन : ZyCoV-D कोरोना वायरस के खिलाफ दुनिया की पहली प्लास्मिड डीएनए वैक्सीन है। यह वायरस से जेनेटिक मटेरियल के एक हिस्से का उपयोग करता है, जोकि विशिष्ट प्रोटीन बनाने के लिए डीएनए या आरएनए के रूप में निर्देश देता है। इसे इम्यून सिस्टम पहचानती है और प्रतिक्रिया करती है। डीसीजीआई पहले चरण में 12 साल और उससे अधिक उम्र के बच्चों के साथ चरणबद्ध तरीके से मंजूरी देगा।। 6 से 12 साल के बच्चों और बाद में 2 से 6 साल के बच्चों के लिए टीके जारी करने की मंजूरी दी जाएगी।

कोई सरकार नहीं, राष्ट्रपति 10 दिनों से गायब और पहले से ज्यादा बुरा तालिबान

भारत लौटने पर अफगानी सांसद ने सुनाया हाल

नई दिल्ली. अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद आम नागरिक के साथ-साथ वहां के कई राजनेताओं ने भी भारत में शरण ली है। दिल्ली पहुंचने वालीं अफगानिस्तान की एक सांसद अनारकली कौर होनरयार भी उनमें से एक हैं।

उन्होंने भारत सरकार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्रालय और भारतीय वायुसेना का धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान की स्थिति अकल्पनीय है। अफगानिस्तान से लोगों को निकालने के अभियान के तहत भारत सिख और हिंदू समुदाय के अफगान समेत करीब 730 लोगों को यहां ला चुका है।

एक वार्ता के दौरान अनारकली कौर ने बताया, "अफगानिस्तान की स्थिति कल्पना से बाहर की है। कोई सरकार नहीं है। राष्ट्रपति पिछले 10 दिनों से वहां नहीं हैं। हमें शांति प्रक्रिया से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन कुछ नहीं हुआ। अफगानिस्तान में कई लोगों के पास ट्रैवल डॉक्यूमेंट्स नहीं हैं। हमें इतनी गरमी में वहां आधी रात 12 बजे से सुबह 10 बजे तक इंतजार करना पड़ा।"

उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट (काबुल) पर हर दिन, फायरिंग की घटनाएं हो रही हैं और रोज 3-4 लोग इसमें मर रहे हैं। उन्होंने बताया, "20 साल

पहले, तालिबान सोचता था कि सिखों और हिंदुओं को मुस्लिमों की तरह कोई भी अधिकार नहीं दिया जाना चाहिए। जब अभी तालिबान के प्रवक्ता ने पहली बार मीडिया को संबोधित किया तो सिखों और हिंदुओं के बारे में बात नहीं की। यह निश्चित नहीं है कि भविष्य में उन्हें कोई अधिकार मिलेगा।"

इससे पहले रविवार को अफगानिस्तान के सांसद नरेंद्र सिंह खालसा भारत पहुंचने के बाद वहां के हालात को बताते हुए भावुक हो गए थे। उन्होंने रिपोर्ट्स से कहा था, "मुझे तो रोना आता है... क्या करें, जो अफगानिस्तान में हमारे पीढ़ियों से रह रहे थे। 20 साल में जो सरकार बनी थी, अब सबकुछ खत्म हो चुका है। अब जीरो है।"

कई अफगान सांसद और नेता आ चुके हैं भारत : तालिबान के कब्जे के बाद पिछले 10 दिनों में कई अफगान नेता भारत आ चुके हैं। इनमें वर्दक के सांसद वाहिदुल्लाह कलीमजई, परवान से सांसद अब्दुल आजिज हकीमी, सांसद अब्दुल कादिर जजई, सीनेटर मालेम लाला गुल, पूर्व सांसद और पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई के चचेरे भाई जमील करजई, बागलान के सांसद शुक्रिया एसखैल, सीनेटर इंजीनियर मोहम्मद खान, पूर्व वित्त मंत्री अब्दुल हादी अर्घांदीवाल, पूर्व उपराष्ट्रपति यूनुस कानूनी, सांसद मरियम सोलेमनखैल, अफगानिस्तान के अपर हाउसे के वरिष्ठ सलाहकार कायस मोवाफाक भी शामिल हैं।

सरकार ने तय की 15 सितंबर की डेडलाइन, इंफोसिस को दुरुस्त करनी होगी टैक्स पोर्टल की गड़बड़ी

15 सितंबर तक इंफोसिस को सभी गड़बड़ियां हर हाल में दुरुस्त कर लेनी हैं ताकि टैक्सपेयर और प्रोफेशनल टैक्स पोर्टल पर बिना किसी बाधा और अड़चन के अपना काम कर सकें. देश की बड़ी और नामी आईटी कंपनी इंफोसिस ने ही इस पोर्टल को तैयार किया है.

नई दिल्ली. केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने इनकम टैक्स ई-फीलिंग पोर्टल में गड़बड़ी को लेकर बड़ा फैसला लिया। वित्त मंत्रालय ने पोर्टल में आ रही तमाम गड़बड़ियों को ठीक करने के लिए 15 सितंबर की डेडलाइन तय कर दी। इस तारीख तक इंफोसिस को ई-फीलिंग पोर्टल की सभी तकनीकी गड़बड़ी ठीक करनी होगी। इससे पहले वित्त मंत्रालय ने आईटी कंपनी इंफोसिस के एमडी और सीईओ सलिल पारेख को तलब किया था। पारेख वित्त मंत्री के सामने पेश हुए और अपनी बात रखी।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इंफोसिस के एमडी सलिल पारेख से टैक्स पोर्टल में जारी तकनीकी गड़बड़ी पर नाखुशी जाहिर की। वित्त मंत्री ने इसे बेहद निराशाजनक करार दिया और जन सरोकारों से जोड़ा। निर्मला सीतारमण ने पोर्टल की गड़बड़ी को सलिल पारेख के सामने रखते हुए अंतिम तारीख 15 सितंबर तय किया जब सभी खामियों को दुरुस्त कर लेना होगा। इस तारीख के बाद सरकार पोर्टल के कामकाज को लेकर कोई शिकायत सुनने के पक्ष में नहीं है।

क्या है मामला : पिछले लगभग दो महीने से ई-फाइलिंग पोर्टल में लगातार दिक्कतें आ रही हैं, टैक्सपेयर्स और आईसीएआई की तरफ से कई शिकायतें आई हैं। सरकार से अविलंब पोर्टल की सभी गड़बड़ियों को दूर करने का आग्रह किया गया है। पिछले दो दिन से पोर्टल बंद चल रहा था लेकिन यह फिर शुरू हुआ। हालांकि पहले की सभी गड़बड़ियां पूर्व की तरह कायम हैं। पोर्टल का मामला संसद में भी उठा है जिस पर सरकार ने फौरी तौर पर इसे ठीक करने का आश्वासन दिया। गड़बड़ी को देखते हुए केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने इंफोसिस के एमडी और सीईओ सलिल पारेख को

हाजिर होने का आदेश दिया था।

क्या कहा वित्त मंत्री ने?

सलील पारेख के साथ बैठक में वित्त मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि ई-फाइलिंग पोर्टल सुचारू ढंग से काम करे, इसके लिए इंफोसिस को और अधिक संसाधन लगाने की जरूरत है। लोगों को टैक्स फाइलिंग की सही सुविधा मिल सके, इसके लिए इंफोसिस को अधिक से अधिक प्रयास करने के लिए कहा गया।

15 सितंबर तक इंफोसिस को सभी गड़बड़ियां हर हाल में दुरुस्त कर लेनी हैं ताकि टैक्सपेयर और प्रोफेशनल टैक्स पोर्टल पर बिना किसी बाधा और अड़चन के अपना काम कर सकें। देश की बड़ी और नामी आईटी कंपनी इंफोसिस ने ही इस पोर्टल को तैयार किया है। सरकार की तरफ से इस काम के लिए इंफोसिस को जनवरी 2019 से जून 2021 के बीच 164.5 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है।

एक एजेंसी ने कहा है कि, समझा जाता है कि पारेख और उनकी टीम ने इस मुद्दे को सुलझाने की रूपरेखा सौंपी है। यह पोर्टल सात जून से शुरू हुआ था। वहीं 21 से 22 अगस्त देर शाम तक पोर्टल काम नहीं कर पा रहा था। 23 अगस्त को इसने काम करना शुरू किया। इंफोसिस ने कहा कि 'इमरजेंसी मेंटीनेंस' की वजह से पोर्टल उपलब्ध नहीं हुआ लेकिन बाद में काम शुरू हो गया। यह दूसरा मौका है जबकि वित्त मंत्री ने पोर्टल के मुद्दे पर इंफोसिस की टीम से चर्चा की है। इससे पहले 22 जून को उन्होंने इंफोसिस के सीओओ प्रवीन राव से इस मुद्दे पर बातचीत की थी।

इंफोसिस को ठेका : इंफोसिस का बनाया नया इनकम टैक्स पोर्टल www.incometax.gov.in को सात जून को शुरू किया गया था। शुरुआत से ही पोर्टल को लेकर दिक्कतें आ रही हैं। इसके यूजर लगातार इस बात की शिकायत कर रहे हैं कि या तो पोर्टल नहीं मिलता है या काफी धीमी रफ्तार से काम कर रहा है। इसे देखते हुए टैक्स विभाग ने रेमिटेंस फॉर्म को मैनुअल तरीके से दाखिल करने की अनुमति दी है। साथ ही इलेक्ट्रॉनिक तरीके से फॉर्म जमा करने की तारीख को आगे बढ़ाया है। इंफोसिस को यह पोर्टल बनाने का ठेका 2019 में मिला था। इसका मकसद रिटर्न दाखिल करने की अवधि को 63 दिन से घटाकर एक दिन करना था।

जून, 2021 तक सरकार ने इंफोसिस को पोर्टल के विकास के लिए 164.5 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। इंफोसिस इंडिया की बिजनेस यूनिट के ट्विटर हैंडल इंफोसिस इंडिया बिजनेस ने रविवार को ट्वीट में कहा कि इनकम टैक्स पोर्टल इमरजेंसी मेंटीनेंस में है। जब यह पोर्टल फिर उपलब्ध होगा हम इसकी जानकारी टैक्सपेयर को उपलब्ध कराएंगे। इस असुविधा के लिए हमें खेद है।

स्वास्थ्य मंत्री ने राज्य भर में लांच की न्यूमोकोकल कंजूगेट वैक्सीन

दिवनूर कौर राज्य में टीका लगवाने वाली पहली बच्ची बनी

चंडीगढ़/डेराबस्सी. पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री बलबीर सिंह सिद्धू ने आज यहाँ से राष्ट्रीय टीकाकरण प्रोग्राम के अधीन न्यूमोकोकल कंजूगेट टीका लांच किया। उप मंडल डेराबस्सी के अस्पताल में राज्य स्तरीय समागम के दौरान स. सिद्धू ने कहा कि यह टीका बच्चों को स्ट्रेप्टोकोकस निमोनिया (निमोनिया, मेनिनजाइटिस, सेप्टीसीमिया) के तौर पर जाने जाते बैक्टीरिया के कारण होने वाली घातक बीमारियों से बचाएगा। यह 3 खुराकों में लगाया जाता है, जिसमें से 2 प्राथमिक खुराकें 6वें और 14 हफ्ते में दी जाती हैं और तीसरी बूस्टर डोज़ 9 महीने पूरे होने के बाद दी जाती है। उन्होंने बताया कि यह टीका नियमित टीकाकरण के अधीन अन्य टीकों की तरह सभी सरकारी अस्पतालों में मुफ्त लगाया जाएगा। इस टीके की शीशी (वायल) में 5 खुराकें होती हैं, जो नवजात बच्चों से लेकर बड़े बच्चों के एक समूह को दी जाती हैं।

हमारी नई पीढ़ी को वायरस के घातक प्रभावों से बचाने के लिए इस मुहिम को महत्वपूर्ण करार देते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि 0.5 मिलीलीटर की खुराक दाहिनी जांघ पर इंट्रामसक्यूलर रूट के द्वारा दी जाएगी। यह टीके की शुरूआत न्यूमोकोकल (निमोनिया से सम्बन्धित) बीमारियों के कारण होने वाली 5 फीसद मौतों को घटा देगी, जोकि 5 साल से कम उम्र के बच्चों की मौत का मुख्य कारण बनती है। सिद्धू ने कहा कि टीका 146 देशों के नियमित टीकाकरण शड्यूल में पहले ही शामिल किया जा चुका है।

जालंधर में भी पीसीवी वैक्सीन का शुभारंभ

जालंधर. शहीद बाबू लाभ सिंह मेमोरियल सिविल अस्पताल जालंधर के पीपी यूनिट में बुधवार को सिविल सर्जन डॉ. बलवंत सिंह और जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. राकेश कुमार चोपड़ा की उपस्थिति में बच्चे को न्यूमोकोकल कंजुगेट वैक्सीन (पीसीवी) लगाया गया। इस अवसर पर सहायक सिविल सर्जन डॉ. वरिंदर कौर थिंद, डी.डी.एच.ओ. डॉ. बलजीत कौर रूबी, एसएमओ पी.पी. यूनिट डॉ. कुलविंदर कौर, डॉ. इंदु बाला आदि मौजूद थे।

सेंट्रल जेल में मेडिकल कैंप

कपूरथला. पंजाब राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण, एसएएस नगर (मोहाली) और माननीय अमरिंदर सिंह ग्रेवाल, जिला और सत्र जज-कम-चेयरमैन, जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण, कपूरथला की ओर से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार हवालातियों एवं कैदियों के स्वास्थ्य देखभाल को ध्यान में रखते हुए जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण, कपूरथला, जेल प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से आज सेंट्रल जेल, कपूरथला में त्रैमासिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महेश कुमार, मुख्य ज्यूडिशियल मैजिस्ट्रेट, जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण, कपूरथला एवं डॉ. गगनदीप कौर, मुख्य ज्यूडिशियल मैजिस्ट्रेट-कम-सचिव, जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण जालंधर ने चिकित्सा शिविर का निरीक्षण किया। नि:शुल्क चिकित्सा जांच शिविर के दौरान स्वास्थ्य विभाग कपूरथला व जालंधर की ओर से भेजी गई चिकित्सकों की टीम में डॉ. परमिंदर कौर, डॉ. मनिंदर कौर डेंटल, डॉ. अमनदीप रयात त्वचा विशेषज्ञ डॉ. किंदरपाल बांगड़ चेस्ट स्पेशलिस्ट, डॉ. तुषार हड्डियों के रोगों के विशेषज्ञ, ऑर्थो सर्जन, डॉ. भूमिका भोला आई सर्जन, डॉ. सुचिना परमार ईएनटी विशेषज्ञ, डॉ. दीप शिखा स्त्री रोग विशेषज्ञ, सतवंत सिंह फार्मेसी अधिकारी, डॉ. राज कुमारी ने शिरकत की।

एटीएम मशीन काट कर पैसे चुराने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के 4 सदस्य गिरफ्तार

• **जालंधर ब्रीज.** रिपोर्टर

नवीन सिंगला आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस कप्तान, जालंधर ग्रामीण ने प्रेस को जानकारी देते हुए बताया की सीआईए-1 के इंचार्ज जरनैल सिंह और सीआईए-2 के सब-इंस्पेक्टर पुष्प बाली की टीम ने गैस कटर से एटीएम मशीन को काट कर पैसे चुराने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के 04 सदस्यों को काबू कर उनके पास से 3,88,190 /- भारतीय करेंसी समेत 2 गाड़ियां जिसमें एक स्विफ्ट कार पी.बी 01 ए 0721 और दूसरी आर्टिका कार पी.बी 02 सीबी 1734 और गैस क्टर बरामद किया। मौके पर गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान अमृतसर निवासी दलजीत सिंह सोनू, चरणजीत सिंह उर्फ नंदू , सविंदर सिंह उर्फ टीटू, जसपाल सिंह उर्फ बग्गा के रूप में हुई है। सोनू के खिलाफ पहले से ही फिरोजपुर, तरनतारन, कपूरथला, मोगा, हिमाचल प्रदेश में 12 मामले दर्ज हैं। इसके आलावा चरणजीत सिंह उस नंदू के खिलाफ फिरोजपुर, तरनतारन, कपूरथला, मोगा, हिमाचल प्रदेश में 11 मामले दर्ज हैं।

आज़ादी की 75वीं वर्षगांठ को समर्पित पंजाब पुलिस ने लगाया रक्तदान कैंप

जालंधर. देश की आज़ादी की 75वीं वर्षगांठ को समर्पित "आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाते हुए पीएपी अस्पताल, जालंधर में ख़ून दान कैंप लगाया गया, जिस का उद्घाटन इकबालप्रीत सिंह सहोता, आईपीएस, स्पेशल डायरैक्टर जनरल, स्टेट आर्म्ड पुलिस, जालंधर की तरफ से किया गया। इस अवसर पर जहा उनकी तरफ से ख़ुद और डा. एस.के.कालिया, आई.पी.एस., इंस्पेक्टर जनरल पुलिस की तरफ से रक्तदान किया गया वहां 200 आधिकारियों और कर्मचारियों ने भी इस कैंप में स्व इच्छा के साथ ख़ून दान किया। इस अवसर पर मनजीत सिंह, ए.आई.जी और अस्पताल के डाक्टर भी मौजूद थे। इस अवसर पर उन ख़ून दान करने वाले व्यक्तियों को प्रशंसा पत्र भी दिए।

'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत चित्रकला, गीत प्रतियोगिताओं व 'फिट इंडिया फ्रीडम रन' का आयोजन

• जालंधर ब्रीज.रिपोर्टर

भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के तहत फील्ड आऊटरीच ब्यूरो अमृतसर द्वारा "आजादी का अमृत महोत्सव" कार्यक्रम की कड़ी में अमृतसर के टाऊन हॉल में लगाई गई चित्र प्रदर्शनी के आज दूसरे दिन चित्रकला व गीत मुकाबले करवाये गये, जिसमें स्कूली बच्चों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया । नगर निगम आयुक्त मलविन्द्र सिंह जग्गी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए । अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि देश की आज़ादी में पंजाबियों ने भी बड़े स्तर पर कुर्बानियां दी हैं ऐसे में अपनी विरासत पर गर्व करते हुये उसे संजोये रखने की जरूरत है । एन.सी.सी. की फर्स्ट बटालियन के कैडिटों ने उन्हें सलामी दी । कैडिटों ने शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किया जो लोगों के आकर्षण का केन्द्र बना ।

इससे पहले आज सुबह "फिट इंडिया फ्रीडम रन" का आयोजन भी किया गया । नगर निगम के सहायक आयुक्त संदीप ऋषि ने गुरु नानक देव विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर इस दौड़ को हरी झंडी दिखाई । यह दौड़ छरहटा चौक पर समाप्त हुई ।

विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया । ब्यूरो के क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी गुरमीत सिंह ने बताया कि चित्र प्रदर्शनी के तीसरे व अंतिम दिन कल 25 अगस्त को केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा एन.सी.सी. के अधिकारी व कैडिट भी उपस्थित रहेंगे।।

प्रशासन ने ज़िले में 2,16,812 घरों को कार्यशील टूटी वाले पानी कुनैकशनों के साथ जोड़ा : डीसी

जालंधर. सभी ग्रामीण घरों को पीने योग्य पानी उपलब्ध करवाने के उद्देश्य के साथ ज़िला प्रशासन जालंधर की तरफ से जालंधर ज़िले में 2,16,812 घरों को कार्यशील टूटी वाले पानी कुनैकशनों के साथ सफलतापूर्वक जोड़ा गया है। बैठक की अध्यक्षता करते हुए डिप्टी कमिश्नर श्री घनश्याम थोरी ने बताया कि जालंधर के ग्रामीण क्षेत्र में कुल 2,30,385 परिवार हैं और हर घर पानी प्रोगराम अधीन 2,16,812 (94.11 प्रतीशत) घरों को पहले ही कवर किया जा चुका है। डिप्टी कमिशनर, जिन के साथ अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (यू. डी.) हिमांशू जैन भी मौजूद थे, ने कहा कि प्रशासन हर घर में कार्यशील टूटी वाले पानी का कुनैकशन उपलब्ध करवाने के लिए वचनबद्ध है जिससे लोगों को पीने वाला साफ़ पानी उपलब्ध हो सके। इस दौरान उन्होंने ज़िलो में 19809 शोचालय का निर्माण कर ऐस.बी.ऐम. के पहले पड़ाव के अंतर्गत सौ प्रतिशत शोचालय को पूरा करने के लिए जल स्पलाई और सेनिटेशन विभाग के यतनों की भी प्रशंसा की।

SPORTS PLANET
स्पोर्ट्स प्लेनेट

लेखिका
राधा

कृष्ण जन्मोत्सव

कृष्ण जन्मोत्सव .....
रोहिणी नक्षत्र है दिन बुधवार,
कर्क लग्न में लिया अवतार।
चमचम चमका कारावास ,
रहा न तम का कहीं भी वास।
खुली बेड़ियां, खुल गए द्वार ,
आनंद का था ना पारावार।
गड़गड़-गड़गड़ मेघा गरजे ,
तड़तड- तड़तड़ दामिनी चमके।
आनंद मग्न था ब्राह्मंड सारा,
मथुरा में जन्मा नंद का प्यारा।1।
गोपियों संग वो रास रचाए
दुष्टों को वो सबक सिखाए।
पापियों का करने संहार
पृथ्वी का करने उद्धार
कृष्ण अवतरित हुए धरा पर
लिए संग राधा का प्यार। 2।
गले में वैजयंती,कर्ण में कुंडल,
सुशोभित है जिससे बृजमंडल।
तिरछी कमरिया, तिरछी नजरिया
तिरछी जिसकी चालढाल
श्याम वर्ण पीतांबर धारी
बंशी जिसकी करे निढाल।3।
कृष्ण है जग के पथ प्रदर्शक,
कृष्ण है युग के भी प्रवर्तक।
कृष्ण है दृष्टि, कृष्ण है सृष्टि
कृष्ण है माखन, कृष्ण है मिश्री
कृष्ण हैं जग के पालनहार
कृष्ण हैं जग को तारनहार।
कृष्ण हैं जीवन के आधार
कृष्ण नाम से हो उद्धार ।4।

आलोचनाओं से घिरे चेतेश्वर पुजारा को इस दिग्गज ने दी ऐसी सलाह जिससे टीम को भी मिलेगा फायदा

नई दिल्ली. मौजूदा समय में चेतेश्वर पुजारा को भारतीय टीम की नई दीवार कहा जाता है। लेकिन हालिया दौर में आलोचकों के निशाने पर हैं। उनकी फॉर्म को लेकर कई दिग्गज उनकी आलोचना कर चुके हैं। वैसे एक चीज ऐसी रही है जिसे लेकर पुजारा की हमेशा से आलोचना होती रही है। वो है पुजारा की स्ट्राइक रेट।

भारतीय टेस्ट टीम का नंबर-3 बल्लेबाज इस बार जब आउट ऑफ फॉर्म हुआ है तो एक बार फिर उनकी स्ट्राइक रेट पर चर्चा शुरू हो गई है। पुजारा ने टेस्ट में आखिरी बार शतक 2019 में बनाया था तब से वह लगातार रनों की तरस रहे हैं। इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स मैदान पर खेले गए दूसरे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में पुजारा रंग में आते दिख रहे थे और 45 रन बना लिए थे लेकिन फिर मार्क वुड की गेंद ने उनको पवेलियन भेज दिया था। अब वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज ब्रायन लारा ने पुजारा को एक सलाह दी है।

लारा ने कहा है कि पुजारा अगर कुछ ज्यादा स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं तो इससे टीम इंडिया को फायदा होगा। पुजारा ने स्टार स्पोर्ट्स से बात करते हुए कहा, "पुजारा मेरी नजर में अच्छे बल्लेबाज हैं। मैं उनकी तरह का खिलाड़ी नहीं हूं। इसके लिए काफी धैर्य की जरूरत होती है और कम स्ट्राइक रेट से रन बनाने होते हैं। इसलिए मेरे लिए, अगर मैं कोच होता तो और अगर मैं उनमें से होता जो चाहते की पुजारा को सुधार करना चाहिए तो मैं काफी सारे शॉट्स तैयार करता और ज्यादा स्ट्राइक रेट से रन बनाने की कहता जिससे उनको मदद मिले और टीम को भी।"

गेंदबाजों को मिलता है मौका : लारा ने कहा है कि पुजारा जिस तरह से बल्लेबाजी करते हैं उससे कई बार गेंदबाजों को हावी होने का मौका मिलता है। "उन्होंने अपना काम किया है। मैं जानता हूं कि उनका काम क्या है, लेकिन मुझे लगता है कि जब आप इतनी धीमी बल्लेबाजी करते हो तो, आपकी पारी में कई तरह की बदलाव आते हैं और आप गेंदबाजों को अपने ऊपर हावी होने का मौका देते हैं, जब आप तीन अंक में पहुंचते हो उससे पहले ही आपको लगता है कि आपके पास समय कम है।"

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए बीसीसीआई ने टीम इंडिया में शामिल किए 3 नए चेहरे, जानिए कौन हैं यह धाकड़ छोरियां

मेघना सिंह

रेणुका सिंह ठाकुर

यस्तिका भाटिया

मुंबई.बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक टेस्ट और सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए महिला टीम का चयन किया है जिसमें तेज गेंदबाज मेघना सिंह को टीम में स्थान दिया गया है। इससे पहले मेघना सिंह इंडिया ए के लिए चुनी गई थी। मेघना ने अपनी खेल प्रतिभा से सभी को आकर्षित किया था।

हिमाचल की तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर अपने गांव में क्रिकेट खेला करती थीं जिसके बाद उनके चाचा ने एचपीसीए की अकेडमी में भेजा। उन्हें टीम इंडिया ए के लिए चुना गया जिसके साथ उन्होंने ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया।

यस्तिका भाटिया को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए तीसरे विकेटकीपर के तौर पर चुना गया है। यस्तिका को साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में भी चुना गया था लेकिन वह अब तक डेब्यू नहीं कर पाई है। टॉप ऑर्डर में उनकी बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग भारत के लिए मजबूत बैकअप होगा।

जेम्स एंडरसन ने कहा भावनाओं पर काबू नहीं पा सकी उनकी टीम, लॉर्ड्स में जीत नहीं बदला लेने पर था ध्यान

नई दिल्ली. भारत और इंग्लैंड के बीच खेला गया टेस्ट मैच काफी विवादित रहा था। टीम इंडिया ने भले ही इस मैदान पर ऐतिहासिक जीत हासिल की हो लेकिन इस मुकाबले में खिलाड़ियों के बीच हुई अनबन ने ज्यादा सुर्खियां बटोरीं। इंग्लैंड की टीम को इस मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा और टीम के स्टार गेंदबाज जेम्स एंडरसन का मानना है कि ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि वह अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख सके थे।

एंडरसन का मानना है कि इस टेस्ट में उनकी टीम के लिए जीत से ज्यादा अहम बदला लेना और जवाब देना हो गया था। वह अपनी भावनाओं का सही इस्तेमाल नहीं कर पाए जैसा कि टीम इंडिया ने किया। यही कारण है कि विराट कोहली की कप्तानी वाली टीम को जीत नसीब हुई और वह सीरीज में 1-0 से आगे हो गए।

बुमराह से बदला चाहती थी इंग्लैंड की टीम : जेम्स एंडरसन ने कहा कि पहली पारी में टीम के लिए बुमराह को आउट करने से ज्यादा अहम उससे बदला लेना था। एंडरसन ने कहा, 'जैसे ही बुमराह बल्लेबाजी करने आए रूट ने मुझे हटाकर मार्क वुड को अटैक पर लगाया। वह बुमराह से बदला लेना चाहते थे। मैं बुमराह को आसानी से आउट कर सकता था लेकिन वुड के खिलाफ उसने शानदार बल्लेबाजी की।' एंडरसन ने कहा की टीम इंडिया में काफी जुनून है। वह अपनी भावनाओं का सही इस्तेमाल करना जानते हैं जिसका एहसास इंग्लैंड को लॉर्ड्स टेस्ट के आखिरी दिन हुआ।

कोहली को जवाब देना एंडरसन को पड़ा भारी : जेम्स एंडरसन को भी बल्लेबाजी के समय भारतीय टीम के तेज गेंदबाजी के आक्रामण का शिकार होना पड़ा। बुमराह की कई गेंदे एंडरसन के शरीर पर लगीं जबकि विराट कोहली के साथ उनकी मैदान पर बहस भी हुई। एंडरसन ने टेलीग्राफ के कॉलम में लिखा, 'कोहली ने बुमराह के ओवर के समय मुझे पूछा कि मुझे मजा तो नहीं आ रहा होगा। मैंने कहा बेशक नहीं आ रहा। मुझे उस ओवर में काफी डर लग रहा था।' एंडरसन ने कहा कि लगातार बातें सुनते-सुनते आखिरकार उनकी भावनाएं हावी हो गई और उन्होंने जवाब देने का फैसला किया, हालांकि इससे जो रूट का खास पल खराब हो गया। इंग्लैंड के इस तेज गेंदबाज ने कहा, 'बुमराह के ओवर के अंत में मैं काफी गुस्से में आ गया था। मेरी भावनाएं मुझपर हावी हो रही थी और मैंने उन्हें जवाब दिया। लेकिन बाद में मुझे लगा क्योंकि इसके कारण रूट की शानदार पारी से हटकर फैंस का ध्यान मुझ पर चला गया। मैंने रूट के लिए इससे माफी भी मांगी।'

तीसरे टेस्ट में बदली नजर आएगी इंग्लैंड की टीम : हालांकि एंडरसन का मानना है कि अब ऐसा नहीं होगा। उनकी टीम अब बदले के बारे में नहीं सिर्फ जीत के बारे में सोचेगी। उन्होंने कहा, 'मैं जब भी मैदान पर होता हूं मुझे खुद को याद दिलाना होगा कि मैं वहां क्यों हूं। सिर्फ एक खिलाड़ी से लड़ने के लिए मेरा वहां होना बेकार हैं। हम एक टीम है। जो यही कहता है कि हमें अपने खेल पर ध्यान देना है। हमें सोचना होगा कि विराट कोहली का औसत इस सीरीज में 20 है, जिसका मतलब है कि हमने अच्छी गेंदबाजी की है।'

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.